पराक्रमी परमेश्वर — स्ट्रॉन्ग्स नंबरों के साथ एक बाइबल अध्ययन

बेथलेहेम से पहले यीशु कौन था — बहुवचन की वाणी, यहोवा का दूत, इसहाक पर की लकड़ी

मौलिक बाइबिल सिद्धांत — यीशु मसीह का सुसमाचार

उद्घाटन शब्द

> *यह भाग यह प्रश्न पूछता है कि यीशु कौन है, सृष्टि से आरंभ करते हुए, जहाँ परमेश्वर कहता है, "हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार बनाएं।" यह उस यहोवा के दूत का अनुसरण करता है, जिससे लोग आमने-सामने मिले और जिसे परमेश्वर कहकर पुकारा। यह उस लकड़ी पर समाप्त होता है जो इसहाक पर रखी गई, जो अब्राहम का एकमात्र पुत्र था जिससे वह प्रेम करता था। हर उत्तर बाइबल से ही, बाइबल के अपने शब्दों में आता है।*

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. यदि परमेश्वर एक है, तो उत्पत्ति 1:26 में बोलने वाला "हम" कौन है?
2. यहोवा का दूत कौन है, जिससे लोग आमने-सामने मिले और जिसे परमेश्वर कहा?
3. इसहाक, जो एकलौता पुत्र था, उस पर रखी हुई लकड़ी किस बात की ओर संकेत करती थी?

खुलने वाला लंगर

यशायाह 9:6 क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके काँधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा। (यूह. 1:45, इफि. 2:14)

एक बालक हमारे लिये जन्मा + एक पुत्र हमें दिया गया --> उसका नाम पराक्रमी परमेश्वर कहलाएगा।

> *यीशु के जन्म से सात सौ वर्ष पहले, एक भविष्यवक्ता ने लिखा था कि यह बालक पराक्रमी परमेश्वर कहलाएगा। शिशु यीशु एक चरनी में लेटा हुआ था। इस पद को धीरे-धीरे पढ़ें। ये पद इस अध्ययन का संपूर्ण संदेश बताते हैं।*

क. वह परमेश्वर जिसने कहा "हम" — एक परमेश्वर, और बोलनेवाले एक से अधिक

A1. **उत्पत्ति 1:26** फिर परमेश्वर ने कहा, “हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएँ; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें।” (याकू. 3:9) (27) तब परमेश्वर ने अपने स्वरूप में मनुष्य को रचा, अपने ही स्वरूप में परमेश्वर ने मनुष्य की रचना की; नर और नारी के रूप में उसने मनुष्यों की सृष्टि की। (मत्ती 19:4, मर. 10:6, प्रेरि. 17:29, 1 कुरि. 11:7, कुलु. 3:10, 1 तीमु. 2:13)

हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं --> इसलिये परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार सृजा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: उत्पत्ति 1:26 और उत्पत्ति 1:27 को एक साथ पढ़ो। दोनों वचनों के बीच के अंतर को नरम मत करो। उत्पत्ति 1:26 में "हम" और "हमारे" कहा गया है। उत्पत्ति 1:27 में "अपने स्वरूप" और "परमेश्वर ने सृजा" कहा गया है, दोनों एकवचन में। बाइबल दोनों वचनों को बिना किसी क्षमा-याचना के एक साथ रखती है। बाइबल केवल दोनों को बताती है।)

A2. उत्पत्ति 3:22 फिर यहोवा परमेश्वर ने कहा, “मनुष्य भले बुरे का ज्ञान पाकर हम में से एक के समान हो गया है: इसलिए अब ऐसा न हो, कि वह हाथ बढ़ाकर जीवन के वृक्ष का फल भी तोड़कर खा ले और सदा जीवित रहे।” (प्रका. 2:7, प्रका. 22:2,14,19, उत्प. 3:24, प्रका. 2:7)

देख, मनुष्य भले या बुरे का ज्ञान पाकर हम में से एक के समान हो गया है।

A3. उत्पत्ति 11:7 इसलिए आओ, हम उतरकर उनकी भाषा में बड़ी गड़बड़ी डालें, कि वे एक दूसरे की बोली को न समझ सकें।”

आओ, हम उतरें + उनकी भाषा में गड़बड़ी डाल दें।

A4. यशायाह 6:8 तब मैंने प्रभु का यह वचन सुना, “मैं किसको भेजूँ, और हमारी ओर से कौन जाएगा?” तब मैंने कहा, “मैं यहाँ हूँ! मुझे भेज।”

और हमारी ओर से कौन जाएगा + तब मैंने कहा?

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यशायाह 6:8 को ध्यान से देखिए। यशायाह 6:8 में एक ही वाक्य में दोनों रूप हैं: "मैं किसे भेजूँ" और "हमारे लिये कौन जाएगा।" वही बोलने वाला एकवचन रूप और बहुवचन रूप दोनों का साथ में प्रयोग करता है। यह कोई लेखन की भूल नहीं है। यह परमेश्वर द्वारा अपने आप को अकेले वर्णन करने के लिए बहुवचन शब्द का प्रयोग नहीं है। यही प्रतिमान अनेक बार, बाइबल की अनेक अलग-अलग पुस्तकों में, अनेक शताब्दियों में होता है।)

A5. व्यवस्थाविवरण 6:4 “हे इस्राएल, सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही है; (मर. 12:29-33) **[H259 echad ⚑]**

हे इस्राएल, सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही है; (मर. 12:29-33.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: व्यवस्थाविवरण 6:4 इस पूरे अध्ययन को नियंत्रित करता है। एक ही परमेश्वर है। दो परमेश्वर नहीं हैं। तीन परमेश्वर नहीं हैं। अनेक परमेश्वर नहीं हैं। इस अध्ययन में कोई भी पद जो दूसरे परमेश्वर का सुझाव देता प्रतीत हो, उसे गलत पढ़ा गया है। व्यवस्थाविवरण 6:4 इसकी कसौटी है। ध्यान दें कि इस पद में "एक" के लिए कौन-सा हिब्रू शब्द प्रयोग किया गया है। वह शब्द है इखाद (echad)। इखाद वही शब्द है जो तब प्रयोग होता है जब संध्या और भोर को एक दिन कहा जाता है, यद्यपि एक दिन के दो भाग होते हैं। इखाद वही शब्द है जो तब प्रयोग होता है जब एक पुरुष और उसकी पत्नी को एक देह कहा जाता है, यद्यपि पुरुष और पत्नी दो व्यक्ति हैं। बाइबल ने "एक" के लिए ऐसा शब्द चुना जो अपने भीतर एक से अधिक व्यक्ति को समाहित कर सके। फिर उत्पत्ति 1:26 में परमेश्वर को यह कहते हुए दर्ज किया गया है, "हम बनाएं।")

A6. यशायाह 45:5 मैं यहोवा हूँ और दूसरा कोई नहीं, मुझे छोड़ कोई परमेश्वर नहीं; यद्यपि तू मुझे नहीं जानता, तो भी मैं तेरी कमर कसूँगा,

मैं यहोवा हूं + कोई और नहीं है + मेरे सिवा कोई परमेश्वर नहीं है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यशायाह 45:5 इस सत्य के दूसरे पक्ष को बताता है। यह अध्ययन यशायाह 45:5 से नहीं बचेगा। परमेश्वर स्पष्ट रूप से कहता है कि उसके अलावा कोई और परमेश्वर नहीं है। इन पृष्ठों के शेष भाग में यह अध्ययन जो कुछ भी पाएगा, वह कभी भी एक दूसरे परमेश्वर को नहीं जोड़ सकता। यह अध्ययन वास्तव में जो पाएगा वह एक दूसरे परमेश्वर से अधिक अजीब और बेहतर है। यह अध्ययन एक परमेश्वर को लोगों के सामने स्वयं को प्रकट करते हुए पाएगा।)

B. वह जो यहोवा का दूत कहलाता है — जो परमेश्वर भी कहलाता है

> *हिब्रू शब्द जिसका अनुवाद "स्वर्गदूत" किया गया है, वह है मलाक (H4397)। मलाक का अर्थ है वह जो भेजा गया है। मलाक उस भेजे गए व्यक्ति के कार्य को नाम देता है, न कि उस व्यक्ति की प्रकृति को। नीचे दिए गए वृत्तांतों में ध्यान दें कि बाइबल इस विशेष भेजे गए व्यक्ति के साथ क्या करती है।*

B1. जंगल में हाजिरा — वह उसका नाम रखती है

उत्पत्ति 16:7 तब यहोवा के दूत ने उसको जंगल में शूर के मार्ग पर जल के एक सोते के पास पाकर कहा, **[H4397 malak ⚑]** (8) “हे सारै की दासी हागार, तू कहाँ से आती और कहाँ को जाती है?” उसने कहा, “मैं अपनी स्वामिनी सारै के सामने से भाग आई हूँ।” (9) यहोवा के दूत ने उससे कहा, “अपनी स्वामिनी के पास लौट जा और उसके वश में रह।” (10) और यहोवा के दूत ने उससे कहा, “मैं तेरे वंश को बहुत बढ़ाऊँगा, यहाँ तक कि बहुतायत के कारण उसकी गिनती न हो सकेगी।”

यहोवा के दूत ने कहा, मैं तेरे वंश को अत्यन्त बढ़ाऊंगा।

उत्पत्ति 16:13 तब उसने यहोवा का नाम जिसने उससे बातें की थीं, अत्ताएलरोई रखकर कहा, “क्या मैं यहाँ भी उसको जाते हुए देखने पाई और देखने के बाद भी जीवित रही?”

तब उसने यहोवा का नाम जिसने उससे बातें की थीं, अत्ताएलरोई रखकर कहा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: उत्पत्ति 16 में दो बातें पाठक को रोक देनी चाहिए। पहली, जिसे "यहोवा का दूत" कहा गया है, वह कहता है "मैं तेरे वंश को बहुत बढ़ाऊँगा।" यहोवा का दूत यह नहीं कहता, "यहोवा तेरे वंश को बढ़ाएगा।" यहोवा का दूत ऐसे बोलता है मानो वही वंश को बढ़ाने वाला है। दूसरी, बाइबल का पाठ स्वयं, न कि हाजिरा की राय, इस यहोवा के दूत को "यहोवा जिसने उससे बात की" कहता है। हाजिरा इसी व्यक्ति को "हे परमेश्वर" कहकर पुकारती है। उत्पत्ति की पुस्तक का कथावाचक हाजिरा से सहमत है।)

B2. इसहाक पर हाथ — वह अपनी ही शपथ खाता है

उत्पत्ति 22:11 तब यहोवा के दूत ने स्वर्ग से उसको पुकारकर कहा, “हे अब्राहम, हे अब्राहम!” उसने कहा, “देख, मैं यहाँ हूँ।” (12) उसने कहा, “उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा, और न उसे कुछ कर; क्योंकि तूने जो मुझसे अपने पुत्र, वरन् अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा; इससे मैं अब जान गया

कि तू परमेश्वर का भय मानता है।”

नहीं रख छोड़ा; इससे मैं अब जान गया कि तू परमेश्वर का भय मानता है.

उत्पत्ति 22:15 फिर यहोवा के दूत ने दूसरी बार स्वर्ग से अब्राहम को पुकारकर कहा, (16) “यहोवा की यह वाणी है, कि मैं अपनी ही यह शपथ खाता हूँ कि तूने जो यह काम किया है कि अपने पुत्र, वरन् अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा; (लूका 1:73,74) (17) इस कारण मैं निश्चय तुझे आशीष दूँगा; और निश्चय तेरे वंश को आकाश के तारागण, और समुद्र तट के रेतकणों के समान अनगिनत करूँगा, और तेरा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी होगा; (इब्रा. 6:13,14) (18) और पृथ्वी की सारी जातियाँ अपने को तेरे वंश के कारण धन्य मानेंगी: क्योंकि तूने मेरी बात मानी है।”

मैंने अपनी ही शपथ खाई है, यहोवा की यही वाणी है --> तेरे वंश में पृथ्वी की सारी जातियां आशीष पाएंगी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: उत्पत्ति 22:11-18 में दो वाक्यांशों पर विचार करें। पहला वाक्यांश है "तूने अपने पुत्र को मुझसे नहीं रोका।" अब्राहम अपने पुत्र को परमेश्वर को अर्पित कर रहा था। इस वाक्यांश में बोलने वाला कहता है कि पुत्र को वक्ता से नहीं रोका गया। दूसरा वाक्यांश है "यहोवा की यह वाणी है, कि मैंने अपनी ही शपथ खाई है।" प्राचीन समय में, एक व्यक्ति अपने से बड़े किसी की शपथ खाता था। एक सृजित दूत, जो केवल संदेश पहुँचाता है, अपनी ही शपथ नहीं खाता। एक सृजित दूत परमेश्वर के वाचा के नाम से शपथ पर हस्ताक्षर नहीं करता। इब्रानियों 6:13 इसका कारण देता है। इब्रानियों 6:13 कहता है कि परमेश्वर ने अपनी ही शपथ खाई। इब्रानियों 6:13 कारण बताता है: "क्योंकि वह अपने से बड़े किसी की शपथ नहीं खा सकता था।")

B3. याकूब एक पुरुष से मल्लयुद्ध करता है — और उस स्थान का नाम "परमेश्वर का मुख" रखता है

उत्पत्ति 32:24 और याकूब आप अकेला रह गया; तब कोई पुरुष आकर पौ फटने तक उससे मल्लयुद्ध करता रहा। (25) जब उसने देखा कि मैं याकूब पर प्रबल नहीं होता, तब उसकी जाँघ की नस को छुआ; और याकूब की जाँघ की नस उससे मल्लयुद्ध करते ही करते चढ़ गई। (26) तब उसने कहा, “मुझे जाने दे, क्योंकि भोर होनेवाला है।” याकूब ने कहा, “जब तक तू मुझे आशीर्वाद न दे, तब तक मैं तुझे जाने न दूँगा।”

एक पुरुष उससे मल्लयुद्ध करता रहा --> मैं तुझे जाने न दूंगा, जब तक तू मुझे आशीष न दे।

उत्पत्ति 32:28 उसने कहा, “तेरा नाम अब याकूब नहीं, परन्तु इस्राएल होगा, क्योंकि तू परमेश्वर से और मनुष्यों से भी युद्ध करके प्रबल हुआ है।” (29) याकूब ने कहा, “मैं विनती करता हूँ, मुझे अपना नाम बता।” उसने कहा, “तू मेरा नाम क्यों पूछता है?” तब उसने उसको वहीं आशीर्वाद दिया। (30) तब याकूब ने यह कहकर उस स्थान का नाम पनीएल रखा; “परमेश्वर को आमने-सामने देखने पर भी मेरा प्राण बच गया है।”

राजकुमार के समान तूने परमेश्वर के साथ शक्ति पाई है --> मैंने परमेश्वर को आमने-सामने देखा है, और मेरा प्राण बचा है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: उत्पत्ति 32 का पाठ इस व्यक्ति को एक पुरुष कहता है। याकूब के साथ कुश्ती लड़ने वाला यह पुरुष कहता है कि याकूब को परमेश्वर के साथ सामर्थ्य प्राप्त है। याकूब उस स्थान का नाम "परमेश्वर का मुख" रखता है। याकूब कहता है कि उसका जीवन बचा लिया गया। याकूब इस पुरुष से नाम पूछता है। याकूब को कोई नाम नहीं मिलता, केवल एक प्रश्न वापस मिलता है। इस अनुत्तरित नाम के प्रश्न को याद रखें। यही प्रश्न बाइबल की एक अलग पुस्तक में, सैकड़ों वर्षों बाद, फिर से आता है।)

B4. जलती हुई झाड़ी — वह स्वर्गदूत जो मैं हूँ हूँ

निर्गमन 3:2 और परमेश्वर के दूत ने एक कँटीली झाड़ी के बीच आग की लौ में उसको दर्शन दिया; और उसने दृष्टि उठाकर देखा कि झाड़ी जल रही है, पर भस्म नहीं होती। (मर. 12:26, लूका 20:37) (3) तब मूसा ने कहा, “मैं उधर जाकर इस बड़े अचम्भे को देखूँगा कि वह झाड़ी क्यों नहीं जल जाती।” (प्रेरि. 7:30,31) (4) जब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुड़ा चला आता है, तब परमेश्वर ने झाड़ी के बीच से उसको पुकारा, “हे मूसा, हे मूसा!” मूसा ने कहा, “क्या आज्ञा।” (5) उसने कहा, “इधर पास मत आ, और अपने पाँवों से जूतियों को उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।” (प्रेरि. 7:33) (6) फिर उसने कहा, “मैं तेरे पिता का परमेश्वर, और अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ।” तब मूसा ने जो परमेश्वर की ओर निहारने से डरता था अपना मुँह ढाँप लिया। (मत्ती 22:32, मर. 12:26, लूका 20:37)

यहोवा का दूत आग की ज्वाला में दिखाई दिया --> परमेश्वर ने झाड़ी के बीच में से उसे पुकारा।

निर्गमन 3:14 परमेश्वर ने मूसा से कहा, “मैं जो हूँ सो हूँ।” फिर उसने कहा, “तू इस्राएलियों से यह कहना, ‘जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।’” (प्रका. 1:4,8, प्रका. 4:8, प्रका. 11:17)

मैं जो हूँ सो हूँ --> मैं हूँ ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।

(My personal thoughts: Exodus 3:2 says the angel of the LORD. Exodus 3:4 says the LORD, and God. The same bush, the same fire, and the same voice appear in both verses, two verses apart. The Bible never treats this as a contradiction. This same voice then gives the name that Israel would carry for ever: I AM THAT I AM.)

B5. मानोह और उसकी पत्नी — वह नाम जो अद्भुत है

न्यायियों 13:3 इस स्त्री को यहोवा के दूत ने दर्शन देकर कहा, “सुन, बाँझ होने के कारण तेरे बच्चा नहीं; परन्तु अब तू गर्भवती होगी और तेरे बेटा होगा। (लूका 1:31)

यहोवा का दूत स्त्री को दिखाई दिया --> तू गर्भवती होगी, और पुत्र जनेगी।

न्यायियों 13:17 मानोह ने यहोवा के दूत से कहा, “अपना नाम बता, इसलिए कि जब तेरी बातें पूरी हों तब हम तेरा आदरमान कर सके।” **[H6383 piliy ⚑]** (18) यहोवा के दूत ने उससे कहा, “मेरा नाम तो अद्भुत है, इसलिए तू उसे क्यों पूछता है?”

मेरा नाम तो अद्भुत है, इसलिए तू उसे क्यों पूछता है?

न्यायियों 13:20 अर्थात् जब लौ उस वेदी पर से आकाश की ओर उठ रही थी, तब यहोवा का दूत उस वेदी की लौ में होकर मानोह और उसकी पत्नी के देखते-देखते चढ़ गया; तब वे भूमि पर मुँह के बल गिरे। (21) परन्तु यहोवा के दूत ने मानोह और उसकी पत्नी को फिर कभी दर्शन न दिया। तब मानोह ने जान लिया कि वह यहोवा का दूत था। (22) तब मानोह ने अपनी पत्नी से कहा, “हम निश्चय मर जाएँगे, क्योंकि हमने परमेश्वर का दर्शन पाया है।”

यहोवा का दूत वेदी की ज्वाला में ऊपर चढ़ गया --> हम निश्चय मर जाएंगे, क्योंकि हमने परमेश्वर को देखा है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: न्यायियों 13 में तीन बातें उभर कर आती हैं। मानोह नाम पूछता है, ठीक वैसे ही जैसे याकूब ने उत्पत्ति 32 में पूछा था। मानोह से नाम फिर से छिपाया जाता है, इस बार एक बताए गए कारण के साथ। उस कारण के लिए दिया गया हिब्रू शब्द पिलीय (H6383) है। किंग जेम्स संस्करण पिलीय का अनुवाद "गुप्त" के रूप में करता है। पिलीय का अर्थ है जानने के लिए बहुत अद्भुत। पिलीय उसी मूल से आता है जिससे पेले (H6382) आता है, वह शब्द जिसका अनुवाद यशायाह 9:6 में "अद्भुत" किया गया है, जहाँ हमारे लिए जन्मे बालक का नाम रखा गया है। यही यहोवा का दूत फिर वेदी की लौ में ऊपर उठ जाता है। मानोह का अपना निष्कर्ष यह नहीं है कि "हमने एक दूत देखा है।" मानोह का निष्कर्ष है "हमने परमेश्वर को देखा है।")

B6. यरीहो के बाहर सेनापति — आराधना की गई, और जूते उतारे गए

यहोशू 5:13 जब यहोशू यरीहो के पास था तब उसने अपनी आँखें उठाई, और क्या देखा, कि हाथ में नंगी तलवार लिये हुए एक पुरुष सामने खड़ा है; और यहोशू ने उसके पास जाकर पूछा, “क्या तू हमारी ओर का है, या हमारे बैरियों की ओर का?” **[H8269 sar ⚑]** (14) उसने उत्तर दिया, “नहीं; मैं यहोवा की सेना का प्रधान होकर अभी आया हूँ ।” तब यहोशू ने पृथ्वी पर मुँह के बल गिरकर दण्डवत् किया, और उससे कहा, “अपने दास के लिये मेरे प्रभु की क्या आज्ञा है?” (15) यहोवा की सेना के प्रधान ने यहोशू से कहा, “अपनी जूती पाँव से उतार डाल, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र है।” तब यहोशू ने वैसा ही किया।

यहोशू अपने मुंह के बल भूमि पर गिरा, और दण्डवत् किया --> अपने पांव से जूता उतार दे; क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।

भिन्न दृष्टिकोण, वही दृश्य — दो पुरुषों से जूते उतारने के लिए कहा गया

निर्गमन 3:5 उसने कहा, “इधर पास मत आ, और अपने पाँवों से जूतियों को उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।” (प्रेरि. 7:33)

और अपने पाँवों से जूतियों को उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।” (प्रेरि. 7:33.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: ध्यान दीजिए कि यही आज्ञा, लगभग वही शब्दों में, दो अलग-अलग पुरुषों को, सैकड़ों वर्षों के अंतर पर दी गई है। झाड़ी के पास, यह आज्ञा उस वाणी से आती है जिसे बाइबल का पाठ यहोवा और परमेश्वर कहता है। यरीहो के बाहर, यह आज्ञा हाथ में तलवार लिए खड़े एक पुरुष से आती है। यरीहो के बाहर का यह पुरुष यहोशू को उसके मुँह के बल गिरकर इस पुरुष की आराधना करने देता है। यरीहो के बाहर का यह पुरुष यहोशू को आराधना करने से नहीं रोकता। इसकी तुलना करें कि जब कोई पुरुष किसी सचमुच के सृजित स्वर्गदूत की आराधना करने का प्रयत्न करता है तो वह स्वर्गदूत क्या करता है। वह स्वर्गदूत कहता है, "मैं तेरा संगी सेवक हूँ" (प्रकाशितवाक्य 19:10)। वह स्वर्गदूत कहता है, "परमेश्वर की आराधना कर" (प्रकाशितवाक्य 22:9)। यूहन्ना ने दो बार एक स्वर्गदूत की आराधना करने का प्रयत्न किया। एक स्वर्गदूत ने दो बार यूहन्ना की आराधना को अस्वीकार किया। यरीहो के बाहर किसी ने भी यहोशू की आराधना को अस्वीकार नहीं किया।)

B7. अब नया नियम एक बहुत स्पष्ट बात कहता है

यूहन्ना 1:18 परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा, एकलौता पुत्र जो पिता की गोद में हैं, उसी ने उसे प्रगट किया। **[G1834 exegeomai ⚑]** **[G3439 monogenes ⚑]**

परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा --> एकलौते पुत्र ने उसे प्रगट किया है।

यूहन्ना 5:37 और पिता जिसने मुझे भेजा है, उसी ने मेरी गवाही दी है: तुम ने न कभी उसका शब्द सुना, और न उसका रूप देखा है;

तुम ने न कभी उसका शब्द सुना, और न उसका रूप देखा है.

1 तीमुथियुस 6:16 और अमरता केवल उसी की है, और वह अगम्य ज्योति में रहता है, और न उसे किसी मनुष्य ने देखा और न कभी देख सकता है। उसकी प्रतिष्ठा और राज्य युगानुयुग रहेगा। आमीन। (1 तीमु. 1:17)

जो उस ज्योति में रहता है जिसके पास कोई मनुष्य नहीं पहुंच सकता --> जिसे किसी मनुष्य ने न देखा है, न देख सकता है।

> *अब बाइबल के दोनों भागों को एक साथ रखकर दोनों भागों को साथ-साथ पढ़ें।*

> *पुराना नियम बार-बार कहता है कि लोगों ने इस व्यक्ति को देखा, इस व्यक्ति से बात की, इस व्यक्ति के सामने भोजन किया, इस व्यक्ति के साथ कुश्ती लड़ी, और जीवित रहे।*

> *नया नियम स्पष्ट रूप से और तीन बार कहता है कि परमेश्वर पिता को न तो कभी किसी ने देखा है, और न ही कोई परमेश्वर पिता को देख सकता है।*

> *दोनों कथन सत्य हैं। पुराने नियम में लोगों ने जिस व्यक्ति को देखा, और जिस पिता को लोग नहीं देख सकते थे, वे इसलिए एक ही व्यक्ति नहीं हैं। यूहन्ना बताता है कि देखा गया व्यक्ति कौन है। यूहन्ना कहता है कि देखा गया व्यक्ति एकलौता पुत्र है, वह पुत्र जो पिता की गोद में है। यूहन्ना कहता है*

> *कि एकलौते पुत्र ने परमेश्वर पिता को वहाँ प्रकट किया है जहाँ परमेश्वर पिता को देखा जा सके।*

> *[एक साथ जोड़े गए वचन — कोई भी एक वचन अकेले यह नहीं कहता]*

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यहाँ सावधान और ईमानदार रहें, क्योंकि यहीं वह स्थान है जहाँ व्यक्ति बाइबल में जोड़ना शुरू कर सकता है। जो सीधे तौर पर कहा गया है वह यह है: पुराने नियम का पाठ स्वयं इस भेजे गए व्यक्ति को यहोवा और परमेश्वर कहता है, और जो लोग इस भेजे गए व्यक्ति से मिले वे भी यही कहते हैं। यह भाग कोई निष्कर्ष नहीं है। यह वही है जो वाक्य कहते हैं। जो पदों को जोड़कर प्राप्त किया जाता है वह यह है: कि यह विशेष दृश्य व्यक्ति विशेष रूप से पुत्र है। कोई एक भी पद यह नहीं कहता, "उत्पत्ति 16 में यहोवा का दूत यीशु है।" यह निष्कर्ष यूहन्ना 1:18, यूहन्ना 5:37, और 1 तीमुथियुस 6:16 को पुराने नियम के विवरणों के साथ रखकर और यह पूछकर निकाला जाता है कि किसे देखा जा रहा था। इसीलिए वह चिह्न वहाँ है, और वह चिह्न वहीं रहता है।)

B8. और यहोवा-दूत पुराने नियम के बिलकुल अंत में फिर से प्रगट होता है

मलाकी 3:1 “देखो, मैं अपने दूत को भेजता हूँ, और वह मार्ग को मेरे आगे सुधारेगा, और प्रभु, जिसे तुम ढूँढ़ते हो, वह अचानक अपने मन्दिर में आ जाएगा; हाँ वाचा का वह दूत, जिसे तुम चाहते हो, सुनो, वह आता है, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।” (मत्ती 11:3,10, मर. 1:2, लूका 1:17,76, लूका 7:19,27, यूह. 3:28) **[H4397 malak ⚑]**

मैं अपना दूत भेजूंगा + वह मेरे आगे मार्ग तैयार करेगा --> प्रभु अचानक अपने मन्दिर में आएगा, अर्थात वाचा का दूत।

भिन्न दृष्टिकोण, वही दृश्य — दूत की प्रतिज्ञा की गई, और दूत को पहचाना गया

मरकुस 1:2 जैसे यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा है: “देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिये मार्ग सुधारेगा। (मत्ती 11:10, मला. 3:1) (3) जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है कि प्रभु का मार्ग तैयार करो, और उसकी सड़कें सीधी करो।” (यशा. 40:3) (4) यूहन्ना आया, जो जंगल में बपतिस्मा देता, और पापों की क्षमा के लिये मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार करता था।

देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूं --> प्रभु का मार्ग तैयार करो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: मलाकी 3:1 एक ही आयत में दो भेजे गए व्यक्तियों का नाम लेता है। एक भेजा गया व्यक्ति मार्ग साफ करने के लिए आगे जाता है। दूसरा भेजा गया व्यक्ति "प्रभु" और "वाचा का दूत" कहलाता है। यह दूसरा भेजा गया व्यक्ति वही है जो प्रभु के अपने मंदिर में आने वाला है। मरकुस मरकुस के सुसमाचार की शुरुआत मलाकी 3:1 की उसी पंक्ति को उद्धृत करते हुए करता है। मरकुस मार्ग साफ करने वाले का नाम यूहन्ना बताता है, जो जंगल में है। इससे दूसरा भेजा गया व्यक्ति मरकुस द्वारा उस बिंदु पर अनाम रह जाता है। पुराना नियम एक ऐसे दूत की प्रतीक्षा में समाप्त होता है जो प्रभु है। नया नियम उसी दूत के चलकर आने के साथ आरम्भ होता है।)

ग. एकलौते पुत्र पर रखी गई लकड़ी — पहाड़ पर अब्राहम और इसहाक

C1. उत्पत्ति 22:2 उसने कहा, “अपने पुत्र को अर्थात् अपने एकलौते पुत्र इसहाक को, जिससे तू प्रेम रखता है, संग लेकर मोरिय्याह देश में चला जा, और वहाँ उसको एक पहाड़ के ऊपर जो मैं तुझे बताऊँगा होमबलि करके चढ़ा।” **[H3173 yachiyd ⚑]**

अब अपने पुत्र, अपने एकलौते पुत्र इसहाक को ले, जिससे तू प्रेम रखता है --> उसे वहाँ होमबलि के रूप में चढ़ा।

C2. उत्पत्ति 22:6 तब अब्राहम ने होमबलि की लकड़ी ले अपने पुत्र इसहाक पर लादी, और आग और छुरी को अपने हाथ में लिया; और वे दोनों एक साथ चल पड़े। **[H6086 ets ⚑]**

तब अब्राहम ने होमबलि की लकड़ी ले अपने पुत्र इसहाक पर लादी --> और वे दोनों एक साथ चल पड़े.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: उत्पत्ति 22:6 में, पिता लकड़ी नहीं उठाता। इसहाक पहाड़ी पर लकड़ी उठाकर ले जाता है। अब्राहम इसहाक को उस लकड़ी के ऊपर लिटाएगा। उस लकड़ी के लिए इब्रानी शब्द है ets (H6086)। ets जीवित वृक्ष के लिए सामान्य शब्द है। ets कटी हुई लकड़ी के लिए भी सामान्य शब्द है। ets वही शब्द है जो जीवन के वृक्ष के लिए प्रयोग होता है। ets वही शब्द है जो बगीचे के बीचोंबीच के वृक्ष के लिए प्रयोग होता है।)

C3. उत्पत्ति 22:7 इसहाक ने अपने पिता अब्राहम से कहा, “हे मेरे पिता,” उसने कहा, “हे मेरे पुत्र, क्या बात है?” उसने कहा, “देख, आग और लकड़ी तो हैं; पर होमबलि के लिये भेड़ कहाँ है?” (8) अब्राहम ने कहा, “हे मेरे पुत्र, परमेश्वर होमबलि की भेड़ का उपाय आप ही करेगा।” और वे दोनों संग-संग आगे चलते गए।

होमबलि के लिये मेम्ना कहाँ है? --> परमेश्वर आप ही अपने लिये मेम्ना जुटाएगा।

C4. उत्पत्ति 22:13 तब अब्राहम ने आँखें उठाई, और क्या देखा, कि उसके पीछे एक मेढ़ा अपने सींगों से एक झाड़ी में फँसा हुआ है; अतः अब्राहम ने जाकर उस मेढ़े को लिया, और अपने पुत्र के स्थान पर होमबलि करके चढ़ाया।

एक मेढ़ा जो अपने सींगों से झाड़ी में फंसा हुआ था --> उसे अपने पुत्र के स्थान पर होमबलि के रूप में चढ़ाया।

उत्पत्ति 22:14 अब्राहम ने उस स्थान का नाम यहोवा यिरे रखा, इसके अनुसार आज तक भी कहा जाता है, “यहोवा के पहाड़ पर प्रदान किया जाएगा।”

यहोवा के पहाड़ पर प्रदान किया जाएगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: उत्पत्ति 22:7 में पुत्र के प्रश्न पर फिर से विचार करें: भेड़ का बच्चा कहाँ है? अब्राहम प्रश्न का उत्तर देता है। अब्राहम का उत्तर उससे कहीं आगे तक पहुँचता है जितना वह स्वयं जानता था। अब्राहम कहता है, "परमेश्वर होमबलि के लिये आप ही एक भेड़ का बच्चा जुटाएगा।" यह वाक्यांश दो अर्थ रख सकता है। एक अर्थ यह है कि परमेश्वर अपने उपयोग के लिये एक भेड़ का बच्चा प्राप्त करेगा। दूसरा अर्थ यह है कि परमेश्वर स्वयं को ही भेड़ के बच्चे के रूप में देगा। उस दिन परमेश्वर ने वास्तव में जो दिया वह एक मेढ़ा था, भेड़ का बच्चा नहीं। मेढ़ा एक पूर्ण विकसित नर भेड़ होता है। यह मेढ़ा पुत्र के स्थान पर मरा, जो अपने सींगों से फँसा हुआ था। इसहाक का प्रश्न एक अर्थ में पर्वत

पर उत्तरित हो जाता है। इसहाक का प्रश्न दूसरे अर्थ में खुला भी रह जाता है। एक भेड़ का बच्चा अब भी शेष है। अब्राहम उस स्थान का नाम भविष्य काल में एक प्रतिज्ञा के साथ रखता है: "यहोवा के पर्वत पर वह दिखाई देगा।")

अलग दृष्टिकोण, एक ही दृश्य — वह पुत्र जिसने लकड़ी उठाई, और वह पुत्र जिसने क्रूस उठाया

उत्पत्ति 22:6 तब अब्राहम ने होमबलि की लकड़ी ले अपने पुत्र इसहाक पर लादी, और आग और छुरी को अपने हाथ में लिया; और वे दोनों एक साथ चल पड़े।

अब्राहम ने लकड़ी अपने पुत्र इसहाक पर रखी --> वे दोनों एक साथ चल पड़े।

यूहन्ना 19:17 तब वे यीशु को ले गए। और वह अपना क्रूस उठाए हुए उस स्थान तक बाहर गया, जो 'खोपड़ी का स्थान' कहलाता है और इब्रानी में 'गुलगुता'।

तब वे यीशु को ले गए। और वह अपना क्रूस उठाए हुए उस स्थान तक बाहर गया.

यूहन्ना 19:18 वहाँ उन्होंने उसे और उसके साथ और दो मनुष्यों को क्रूस पर चढ़ाया, एक को इधर और एक को उधर, और बीच में यीशु को।

वहाँ उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया + यीशु बीच में।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: एक पिता, एक इकलौता पुत्र जिसे पिता प्रेम करता है, एक पहाड़ी, पुत्र की अपनी पीठ पर रखी गई लकड़ी, और पुत्र का उस लकड़ी के नीचे चढ़ना। यह दृश्य बाइबल में दो बार घटित हुआ। पहली बार, उत्पत्ति 22 में, परमेश्वर ने छुरी को रोक दिया। परमेश्वर ने पुत्र के स्थान पर एक स्थानापन्न मेढ़ा रख दिया। दूसरी बार, क्रूस पर, किसी ने मृत्यु को नहीं रोका। इस बार, पुत्र स्वयं स्थानापन्न था। दोनों दृश्यों के बीच एक और अंतर पर ध्यान दें। इसहाक ने पूछा, "मेम्ना कहाँ है?" उस दिन इसहाक के प्रश्न का कोई उत्तर नहीं था। उत्तर बाद में, यरदन नदी पर, यूहन्ना की ओर से आया। यूहन्ना ने अपनी ओर चलते हुए एक व्यक्ति की ओर इशारा किया।)

C5. यूहन्ना 1:29 दूसरे दिन उसने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, "देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत के पाप हरता है। (1 पत. 1:19, यशा. 53:7)

यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत के पाप हरता है। (1 पत. 1:19, यशा. 53:7.

C6. उत्पत्ति 22:2 उसने कहा, "अपने पुत्र को अर्थात् अपने एकलौते पुत्र इसहाक को, जिससे तू प्रेम रखता है, संग लेकर मोरिय्याह देश में चला जा, और वहाँ उसको एक पहाड़ के ऊपर जो मैं तुझे बताऊँगा होमबलि करके चढ़ा।"

यूहन्ना 3:16 "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। **[G3439 monogenes ⚑]**

जिससे तू प्रेम रखता है, संग लेकर मोरिय्याह देश में चला जा --> ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे.

C7. इब्रानियों 11:17 विश्वास ही से अब्राहम ने, परखे जाने के समय में, इसहाक को बलिदान चढ़ाया, और जिसने प्रतिज्ञाओं को सच माना था। (उत्प. 22:1-10) (18) और जिससे यह कहा गया था, "इसहाक से तेरा वंश कहलाएगा," वह अपने एकलौते को चढ़ाने लगा। (उत्प. 21:12) (19) क्योंकि उसने मान लिया, कि परमेश्वर सामर्थी है, कि उसे मरे हुओं में से जिलाए, इस प्रकार उन्हीं में से दृष्टान्त की रीति पर वह उसे फिर मिला।

उसने अपने एकलौते पुत्र को चढ़ाया --> यह मानकर कि परमेश्वर उसे मरे हुओं में से भी जिला सकता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इब्रानियों की पुस्तक का लेखक इसहाक के लिए वही यूनानी शब्द उपयोग करता है जो यूहन्ना यीशु के लिए उपयोग करता है। वह शब्द है "एकलौता," मोनोजेनेस (G3439)। इब्रानियों का लेखक हमें बताता है कि पहाड़ पर चढ़ते समय अब्राहम क्या सोच रहा था। अब्राहम सोच रहा था कि परमेश्वर लड़के को मरे हुओं में से जिला सकता है। अब्राहम ने पहाड़ी के नीचे खड़े जवानों से कहा, "मैं और यह लड़का उधर जाकर दण्डवत् करेंगे, और तुम्हारे पास लौट आएंगे।" अब्राहम को आशा थी कि वह इसहाक के साथ पहाड़ से नीचे लौटेगा। इब्रानियों का लेखक कहता है कि अब्राहम को इसहाक "एक दृष्टान्त के रूप में" वापस मिला। यहाँ दृष्टान्त का अर्थ है एक चित्र या प्रतीक। आज्ञा मिलने के तीन दिन बाद, वह पुत्र जो मरे हुए के समान था, जीवित लौट आया।)

स्थान के विषय में एक टिप्पणी — एक सहायक टिप्पणी, न कि कोई दावा जो पद सीधे तौर पर करते हैं

2 इतिहास 3:1 तब सुलैमान ने यरूशलेम में मोरिय्याह नामक पहाड़ पर उसी स्थान में यहोवा का भवन बनाना आरम्भ किया, जिसे उसके पिता दाऊद ने दर्शन पाकर यबूसी ओर्नान के खलिहान में तैयार किया था: (प्रेरि. 7:47)

तब सुलैमान ने यरूशलेम में मोरिय्याह नामक पहाड़ पर उसी स्थान में यहोवा का भवन बनाना आरम्भ किया.

> *[एक साथ जोड़े गए वचन — कोई भी एक वचन अकेले यह नहीं कहता]*

(मेरे व्यक्तिगत विचार: उत्पत्ति 22:2 उस स्थान का नाम बताता है जहाँ परमेश्वर ने अब्राहम को भेजा था—मोरिय्याह देश। 2 इतिहास 3:1 उस स्थान का नाम बताता है जहाँ सुलैमान ने मंदिर बनाया—यरूशलेम में मोरिय्याह पर्वत। इसहाक के लगभग-बलिदान का पर्वत और बाद के हर मंदिर-बलिदान का पर्वत इस प्रकार एक ही नाम साझा करते हैं। यरूशलेम वही नगर भी है जहाँ सिपाहियों ने यीशु को नगर की शहरपनाह के बाहर क्रूस पर चढ़ाया। केवल वही कहो जो पद कहते हैं। पद यह नहीं कहते कि गोलगोथा वही चट्टान थी जो मोरिय्याह थी। पद यह अवश्य कहते हैं कि नाम एक ही था, पहाड़ियों की श्रृंखला एक ही थी, और नगर एक ही था। अब्राहम के अपने शब्द थे, "यहोवा के पर्वत पर वह देखा जाएगा।" अब्राहम ने ये शब्द भविष्यकाल में कहे थे।)

समापन

यूहन्ना 8:56 तुम्हारा पिता अब्राहम मेरा दिन देखने की आशा से बहुत मगन था; और उसने देखा, और आनन्द किया।” (57) लोगों ने उससे कहा, “अब तक तू पचास वर्ष का नहीं, फिर भी तूने अब्राहम को देखा है?” (58) यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि पहले इसके कि अब्राहम उत्पन्न हुआ, मैं हूँ।” (59) तब उन्होंने उसे मारने के लिये पत्थर उठाए, परन्तु यीशु छिपकर मन्दिर से निकल गया।

अब्राहम के जन्म से पहले मैं हूँ --> तब उन्होंने उस पर मारने के लिए पत्थर उठाए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इन दोनों दृश्यों को एक साथ रखें और अंतर को सिखाने दें। झाड़ी में, आग से निकलने वाली आवाज़ कहती है मैं हूँ। मूसा झाड़ी के सामने अपना मुख छिपा लेता है। मंदिर में, एक व्यक्ति भीड़ के सामने खड़ा होकर कहता है मैं हूँ। भीड़ पत्थर उठा लेती है। भीड़ इस बात को लेकर उलझन में नहीं थी कि यीशु ने क्या कहा। भीड़ ने यीशु की बात को ठीक-ठीक समझा। भीड़ ने यीशु के शब्दों को पत्थरवाह के योग्य समझा। यह भी ध्यान दें कि यीशु ने यह नहीं कहा "इब्राहीम के होने से पहले, मैं था।" यीशु ने कहा मैं हूँ।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

उत्पत्ति 1:26 — और परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाएं:
- a) हमारी समानता के अनुसार
- b) देखो, वह बहुत अच्छा था
- c) उसने अपने ही स्वरूप में उसकी सृष्टि की

2. उत्पत्ति 16:13 — और उसने यहोवा का नाम, जिस ने उससे बातें की थीं, यह रखा:
- a) तू परमेश्वर मुझे देखता है
- b) मैंने परमेश्वर को आमने-सामने देखा है
- c) मैं यहाँ हूँ; मुझे भेज

3. निर्गमन 3:14 — और परमेश्वर ने मूसा से कहा:
- a) मैं तेरे पिता का परमेश्वर हूं
- b) मैं जो हूँ वही हूँ
- c) मैं यहोवा हूं, और मेरे सिवाय कोई दूसरा नहीं

4. यूहन्ना 8:58 — यीशु ने उनसे कहा, मैं तुम से सच सच कहता हूं:
- a) तुम्हारे पिता अब्राहम मेरे दिन को देखने के लिये मगन हुआ
- b) पहले कि इब्राहीम उत्पन्न हुआ मैं हूं
- c) परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा

5. न्यायियों 13:22 — और मानोह ने अपनी पत्नी से कहा, हम निश्चय मर जाएंगे:
- a) क्योंकि मैं अशुद्ध होठोंवाला मनुष्य हूँ
- b) क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है
- c) क्योंकि हमने परमेश्वर को देखा है

6. यहोशू 5:15 — और यहोवा की सेना के प्रधान ने यहोशू से कहा:
- a) अपने पांव की जूती उतार दे
- b) क्या तू हमारी ओर है, या हमारे शत्रुओं की ओर?
- c) अपनी स्वामिन के पास लौट जा

7. उत्पत्ति 22:8 — परमेश्वर होमबलि के लिए आप ही मेम्ना ठहराएगा:
- a) और उसे अपने पुत्र इसहाक पर रखा
- b) तब वे दोनों संग संग चले
- c) आग और लकड़ी को देखो

उत्तर कुंजी: 1-a, 2-a, 3-b, 4-b, 5-c, 6-a, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

--> एक छाया प्रकाश की ओर कैसे संकेत करती है: इसहाक की पीठ पर रखी गई लकड़ी (उत्पत्ति 22:6) और पुत्र की पीठ पर रखा गया क्रूस (यूहन्ना 19:17)। छाया पहाड़ पर प्रकट हुई। शरीर नगर के बाहर प्रकट हुआ।

--> पगडंडी: उत्पत्ति 1:26 के "हम" और "हमारे" को व्यवस्थाविवरण 6:4 के "एक यहोवा" के साथ मिलाकर देखने से परमेश्वरत्व के पूर्ण अध्ययन का द्वार खुलता है। परमेश्वरत्व एक परमेश्वर है, जिसमें पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा पूरी बाइबल में अलग-अलग व्यक्तियों के रूप में नामित किए गए हैं। इस अध्ययन ने उस पूर्ण अध्ययन को केवल सिरे से छुआ है।

--> संभावित प्रकाशन: याकूब ने उत्पत्ति 32 में उस मल्लयुद्ध करनेवाले से उसका अपना नाम पूछा और उसे अस्वीकार कर दिया गया (उत्पत्ति 32:29)। मानोह ने यहोवा के दूत से उसका अपना नाम पूछा और उसे बताया गया कि नाम पिली (H6383) था, जो जानने के लिए बहुत ही आश्चर्यजनक था (न्यायियों 13:18)। यशायाह तब कहता है कि हमारे लिए जो बालक जन्मा है वह अद्भुत कहलाएगा, पेले (H6382), उसी मूल शब्द से (यशायाह 9:6)। जो नाम पुराने नियम में छिपाया गया था, वह एक शिशु पर घोषित किया गया है। बाइबल के अंत में, स्वर्ग से बाहर सवार होकर आते हुए, यीशु के पास अब भी एक ऐसा नाम है जिसे उसके सिवाय कोई मनुष्य नहीं जानता (प्रकाशितवाक्य 19:12)। नाम दिया गया है, और यह नाम अब भी उससे अधिक गहरा है जो इस अध्ययन में बताया गया है।

ग्रीक मुख्य शब्द

“एकलौता” — **G3439 monogenes** — केवल जन्मा; अपने आप में अनोखा; अपनी तरह का एकमात्र
मोनोजेनेस का प्रयोग पुत्र के लिए किया गया है। इब्रानियों 11:17 में मोनोजेनेस का प्रयोग इसहाक के लिए किया गया है।

“घोषित किया” — **G1834 exegeomai** — बाहर ले जाना; बाहर लाना; पूरी तरह बताना; ज्ञात कराना
परमेश्वर को किसी ने नहीं देखा। एकलौते पुत्र ने परमेश्वर को खुले में प्रकट किया है जहाँ परमेश्वर को देखा जा सके।

हिब्रू मुख्य शब्द

“दूत” — **H4397 malak** — भेजा हुआ एक जन; एक दूत; एक स्वर्गदूत
यह शब्द एक कार्य का नाम देता है, स्वभाव का नहीं। यह शब्द मनुष्यों के लिए प्रयोग होता है। यह शब्द भविष्यवक्ताओं के लिए प्रयोग होता है। यह शब्द स्वर्गीय प्राणियों के लिए प्रयोग होता है। यह शब्द अपने आप में यह कभी नहीं बताता कि भेजा गया व्यक्ति क्या है। यह शब्द अपने आप में केवल यह बताता है कि एक व्यक्ति भेजा गया था। बाकी बात आस-पास का बाइबल पाठ बताता है। इन वृत्तांतों में आस-पास का बाइबल पाठ वास्तव में बाकी बात बताता है।

“परमेश्वर” — **H430 elohim** — परमेश्वर; देवता; सच्चा परमेश्वर
एलोहीम एक बहुवचन रूप है। एलोहीम शब्द का प्रयोग एकवचन क्रियाओं के साथ बार-बार एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए किया गया है। यह शब्द स्वयं उस पूर्णता को समेटे हुए है जिसकी यह अध्ययन जांच कर रहा है।

“एक” — **H259 echad** — एक; एकजुट; प्रथम
एकद वह शब्द है जो "यहोवा हमारा परमेश्वर एक ही यहोवा है" में प्रयुक्त हुआ है। एकद वही शब्द है जो संध्या और भोर को एक दिन कहे जाने के लिए प्रयोग किया गया है। एकद वही शब्द है जो एक पुरुष और उसकी पत्नी के एक तन बनने के लिए प्रयोग किया गया है।

“एकलौता पुत्र” — **H3173 yachiyd** — एकमात्र; अकेला; एकाकी; प्रिय
उत्पत्ति 22 में इसहाक को तीन बार "तेरा एकलौता पुत्र" कहा गया है। याखीद का अर्थ है एक और केवल एक ही।

“लकड़ी / वृक्ष” — **H6086 ets** — एक वृक्ष; लकड़ी; इमारती लकड़ी; एक तख्ता; एक छड़ी
एत्स एक इब्रानी शब्द है जो जीवित पेड़ और काटी हुई लकड़ी दोनों को समाहित करता है। एत्स ही वह शब्द है जो उस लकड़ी के लिए प्रयोग हुआ जिसे अब्राहम ने इसहाक पर रखा था।

“गुप्त / अद्भुत” — **H6383 piliy** — अद्भुत; इतना अद्भुत कि जाना न जा सके
पिलिय वह शब्द है जो यहोवा का दूत मानोह को अपने ही नाम का वर्णन करने के लिए देता है। पिलिय उसी मूल शब्द से आता है जिससे यशायाह 9:6 में "पेले" नाम आया है।

“सेनापति / राजकुमार” — **H8269 sar** — एक प्रधान व्यक्ति; एक मुखिया; एक सेनापति; एक राजकुमार; एक शासक
सर वह पदवी है जिसका दावा यरीहो के बाहर खींची हुई तलवार लिए हुए पुरुष करता है।

“मैं हूँ” — **H1961 hayah** — होना; अस्तित्व में होना; बनना
हायाह वह मूल शब्द है जो जलती हुई झाड़ी में "मैं जो हूँ सो हूँ" के नीचे है।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).